Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 18-05-2006

Participants : Suman Shri Ramji Lal

>

Title : Need to implement the recommendations of Rangarajan Committee on 'Petroleum Products' and peg the tax rate at 20 percent to check price rise.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : महोदय, पिछले कुछ माहों के दौरान अन्तर्राट्रीय बाजार में क्रूड आयल की कीमतें 51 डालर प्रति बैरल तक नीचे आ गयी थी। देश में मांग हुयी कि अंतर्राट्रीय बाजार में कीमतें कम होने के कारण देश में पेट्रोल, डीजल आदि की कीमतें कम होनी जरूरी है किंतु सरकार ने तर्क दिया कि सरकार ने सी.रंगराजन कमेटी का गठन किया है और उसकी रिर्पोट 2006-07 के बजट घोाित होने से पहले आ जायेगी तब ही पेट्रोलियम पदार्थो के विक्रय मूल्य तय किए जायेंगे। फरवरी 2006 से पहले रंगराज कमेटी की रिपोर्ट भी आ गयी है। बजट भााण में ि वत्त मंत्री जी ने इसका हवाला देकर कहा था कि इस रिपोर्ट पर विस्तृत विचार कर भावी नीति तय की जायेगी। समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के आधार पर रंगराज कमेटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान विक्रय मूल्य प्रणाली को बदलना चाहिए जो आयातित मूल्यों के आधार पर है इसके साथ ही पेट्रोलियम पदार्थो पर अभी निर्धारित करों को न्यायोचित बनाने के लिए इन्हें कम करना जरूरी है।

अध्यक्ष जी, अभी पेट्रोल पर सरकार द्वारा पेट्रोल की उत्पादन लागत से कहीं अधिक कर वसूला जा रहा है। समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रहा है कि सरकार पेट्रोलियम पदार्थो की कीमतें बढ़ा रही है, मेरा मत है कि रंगराजन कमेटी की सिफारिशों पर अमल करने से पूर्व विक्रय मूल्यों में वृद्धि के विाय में सोचना बेइमानी है।

अतः मेरा आग्रह है कि सरकार रंगराजन कमेटी की रिपोर्ट प्रकाशित करें तथा इस रिपोर्ट के आधार पर विक्रय मूल्य निर्धारित करने के लिए वर्तमान पद्धति को समाप्त करें तथा करों को न्यायोचित करने के लिए अधिकतम कर 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होने की तत्काल घोाणा करें।